एक नजर

धान के बीज में गड़बड़ी से हो रही किसानों की क्षति

कोलकाता : पश्चिम बंगाल ही नहीं बल्कि पूरे देश में धान के बीज की खराबी की वजह से किसानों को घाटा उठाना पड़ता है। यह जानकारी गुरुवार को प्रेस क्लब में आयोजित एक सेमिनार में इस क्षेत्र के विशेषज्ञ सुरेश पी सिंह ने दी। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के राज्यों झारखंड, ओडिशा, बिहार व पश्चिम बंगाल को लेकर एक अध्ययन किया गया है, जिसमें पाया गया है कि धान के बीज की खराबी की वजह से किसानों की भारी क्षति हो जाती है। इस सिलसिले में सरकार को ठोस नीति बनाने की जरूरत है, ताकि किसानों का भला हो सके। उन्होंने कहा कि इस सिलसिले में देशभर में सेमिनार आदि का आयोजन किया जा रहा है। जल्द ही बांग्लादेश में भी सेमिनार करने की योजना बनायी गयी है। इसके पहले केंद्र व राज्य सरकार से संपर्क किया गया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के साथ मिलकर काम करने को लेकर सुझाव दिया गया है, क्योंकि बांग्लादेश धान उत्पादन के क्षेत्र में आगे है। दोनों देशों के बीच ज्ञान व बीज के आदान प्रदान के लिए ठोस नीति बनाने का सुझाव दिया गया है। उन्होंने कहा कि खासकर पश्चिम बंगाल में धान की खेती बेहतर होती है, जिससे किसानों को बेहतर बीज उपलब्ध कराने की जरूरत है। यादवपुर विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर विप्लव मालाकर, सीड एसोसिएशन आफ बंगाल के कार्यकारी सचिव दिव्यज्योति गुहा और मुक्ति के प्रोजेक्ट मैनेजर असीम दास ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

शह

बदहाली

- स्कूली बच्चों के है दुर्घटना
- निगम या जिला ध्यान नहीं
- सरकारी विभागों पहल नहीं

सुनील शर्मा, हावड़ा

हावड़ा नगर निगम क्ष
दुर्घटना को दावत दे
मकानों से सलकिर
लेन की तरह ही दु
बनी हुई है लेकिन इ
प्रशासन का कोई ध्य
बाद प्रशासन की नी
इस बार भी देखा ज
बाद प्रशासन फिर मौ
के जर्जर भवन की
जिम्मेवार लोग या स
से कोई पहल नहीं
उत्तर हावड़ा के 5
जर्जर भवन में तीन-च